हरिभूमि

गुना-राजगढ़-अशोकनगर भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, बुधवार 21 अक्टूबर 2026

04 अधिकारों से अधिक कर्तव्यों पर ध्यान देने वाला ही श्रेष्ठ : मुनि श्रमण...



05 विजयादशमी पर भगवान राम व दशानन की सेनाएं रथ पर सवार होकर...



समाचार संक्षेप

युवा संगम कार्यक्रम 28 अक्टूबर को सांदीपनि विद्यालय फतेहगढ़ में

गुना। सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम एवं कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के निर्देशन एवं कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक दुबे के मार्गदर्शन में प्रत्येक माह निर्धारित दिवस को युवा संगम कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम के समन्वय व सफल आयोजन के लिए कलेक्टर द्वारा जारी आदेशानुसार सम्बंधित अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई हैं। इसी क्रम में जिला रोजगार अधिकारी श्री बीएस मीना ने बताया कि सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम एवं कौशल विकास एवं रोजगार विभाग,उच्च शिक्षा विभाग, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के समन्वय एवं प्राचार्य शासकीय सांदीपनि विद्यालय फतेहगढ़ के सौजन्य से दिनांक 28 अक्टूबर 2026 को शासकीय सांदीपनि विद्यालय फतेहगढ़ जिला गुना में प्रातः 11:00 बजे से युवा संगम कार्यक्रम अंतर्गत जिला स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें एक ही मंच पर रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप के लिए अवसर उपलब्ध कराने आकांक्षी युवाओं को लाभान्वित किया जाता है। इसमें प्रदेश की निजी क्षेत्र की विभिन्न कंपनियां- जैसे त्रष्ठङ्ग सिक्योरिटी, चैकमेट सर्विसेज, गोल्डन फार्मर ऑर्गेनिक, रुढ्ढष्ट गुना, गेल इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल्स गुना आदि शामिल होगी। इनके द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराया जावेगा ऐसे बेरोजगार जिनकी योग्यता 10वी /12वी/स्नातक है और 18 से 40 वर्ष की आयु वर्ग के भाग ले सकते है।

विश्वगीता प्रतिष्ठानम् की बैठक में गीता स्वाध्याय

गुना। विश्वगीता प्रतिष्ठानम्, गीता स्वाध्याय मंडल की बैठक ख्यावदा कॉलोनी स्थित बृजेन्द्र सिंह रघुवंशी के निवास पर आयोजित हुई। स्वर्गीय रमेशचंद्र पांडेय के जन्मदिन पर श्रीमद्भगवद्गीता के सत्रहवें अध्याय के सभी श्लोकों का सामूहिक स्वाध्याय किया गया।प्रचार प्रमुख पंडित मनोज शर्मा ने बताया कि बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों, आगामी कार्यक्रमों और अमरकंटक वर्ग में सहभागिता पर चर्चा हुई। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि गुना नगर एवं जिले की मासिक बैठक प्रत्येक माह के दूसरे शनिवार को होगी। दीपावली के बाद जिले के विभिन्न ब्लॉकों में गीता स्वाध्याय का विस्तार किया जाएगा। साथ ही गीता ओलम्पियाड परीक्षा की जानकारी देकर गीता के प्रचार-प्रसार एवं नियमित स्वाध्याय को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।बैठक में केंद्रीय संयुक्त सचिव सुधीर सक्सेना, जिला संयोजक बृजभूषण शर्मा, रामस्वरूप सेन, मनोज शर्मा, श्रीमती अनामिका शर्मा, जगदीश राठौर, राजेश पाराशर, महेंद्र सोनी, केशव बैरागी, अरुण रघुवंशी, बृजेन्द्र सिंह रघुवंशी, उमाशंकर भार्गव सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महा नवमी पर कन्या पूजन के साथ जीण शक्ति मंगल पाठ का समापन



गुना। श्री जीणमाता सेवा समिति के सानिध्य में नौ दिवसीय जीण शक्ति मंगल पाठ का समापन महा नवमी के पावन अवसर पर श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ हुआ। इस दौरान समिति के सदस्यों के निवास पर नौ दिनों तक साज-बाज के साथ मंगल पाठ आयोजित किए गए। महिलाओं ने माता रानी का गुणगान कर जयकारे लगाए और धर्म लाभ प्राप्त किया। समिति के सदस्य विवेक मंथन ने जानकारी देते हुए बताया कि नौ दिनों तक समिति के सदस्यों के घरों पर मंगल पाठ का आयोजन किया गया। महा नवमी के दिन राजेश सिंघल के निजी निवास पर मंगल पाठ का समापन हुआ। इस अवसर पर विधि-विधान से पूर्णाहुति की गई तथा कन्याओं का पूजन कर उन्हें श्रद्धापूर्वक भोजन कराया गया। इस धार्मिक आयोजन में समिति के वरिष्ठ सदस्य विमल गर्ग, विनोद खंडेलवाल, राजेंद्र गर्ग, राजेश सिंघल, प्रदीप खंडेलवाल, मोहित शर्मा, सुनील शर्मा एवं आर.के. खंडेलवाल सहित अन्य सदस्यों का सहयोग रहा। वहीं, महिलाओं ने भी नौ दिनों तक मंगल पाठ में उत्साहपूर्वक सहभागिता कर धर्म लाभ प्राप्त किया।

सिंगवासा तालाब, बजरंगगढ़, पार्वती नदी और रूठियाई की चौपेट नदी पर हुआ प्रतिमाओं का विसर्जन

गाजे-बाजे के साथ नम आंखों से मां दुर्गा को दी विदाई, गुना में भव्यता से संपन्न हुआ नवरात्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुना

शक्ति की आराधना का महापर्व शारदीय नवरात्र और विजयादशमी का पर्व गुना शहर सहित पूरे अंचल में धार्मिक उल्लास, अटूट आस्था और भावुक माहौल के बीच संपन्न हुआ। नौ दिनों तक मां दुर्गा की आराधना करने के बाद मंगलवार सुबह से ही देवी प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला शुरू हो गया, जो देर रात तक जारी रहा। ढोल-नगाड़ों की थाप, डीजे की गूंज, आतिशबाजी और माता रानी के जयकारों के बीच श्रद्धालुओं ने नाचते-गाते हुए मां दुर्गा को विदाई दी। विसर्जन के दौरान कई स्थानों पर श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं और वातावरण भक्तिमय होने के साथ भावुक भी हो उठा।

विसर्जन स्थलों पर उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

नवरात्र महापर्व के समापन पर गुना शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक भक्ति और उत्साह का माहौल दिखाई दिया। सिंगवासा तालाब, बजरंगगढ़ नदी, पार्वती नदी और रूठियाई की चौपेट नदी सहित प्रमुख विसर्जन स्थलों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। मंदिरों, घरों और भव्य पंडालों में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओं को ट्रैक्टर-ट्रॉली, ऑटो तथा अन्य सजे-धजे वाहनों में लेकर श्रद्धालु विसर्जन स्थलों तक पहुंचे।



पूरे रास्ते माता रानी के जयकारे गूंजते रहे। श्रद्धालु गुलाल उड़ाते हुए और ढोल-नगाड़ों की धुन पर नृत्य करते हुए विसर्जन यात्रा में शामिल हुए। जिला प्रशासन द्वारा विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा एवं आवश्यक सुविधाओं के इंतजाम किए गए थे, जिससे विसर्जन कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।नवरात्र के अंतिम दिन घरों और पंडालों में बोए गए जवारों का भी पारंपरिक विधि-विधान से विसर्जन किया गया। महिलाओं ने सिर पर पारंपरिक खप्पर धारण कर भक्ति गीतों के साथ जुलूस निकाले। ढोल-नगाड़ों की थाप और माता के जयकारों के बीच श्रद्धालुओं ने जवारों को नदी एवं तालाबों में विसर्जित किया।

मां दुर्गा को विदाई देने के समय अनेक श्रद्धालु भावुक हो उठे। विशेषकर महिलाओं की आंखों से आंसू छलक पड़े। नौ दिनों तक माता की सेवा, पूजा-अर्चना और भक्ति में लीन रहे श्रद्धालुओं ने अगले वर्ष फिर से मां के आगमन की कामना करते हुए उन्हें विदाई दी। बाजारों से लेकर विसर्जन घाटों तक जगह-जगह आस्था और भावनाओं से जुड़े दृश्य दिखाई दिए। इस वर्ष गुना अंचल के करीब 1100 गांवों में मां दुर्गा की लगभग 5 हजार झांकियां सजाई गईं। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक नवरात्र के दौरान धार्मिक आयोजन, भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। सार्वजनिक पंडालों में स्थापित प्रतिमाओं के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। इन आयोजनों ने धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक सहभागिता और सांस्कृतिक परंपराओं को भी मजबूती प्रदान की। महानवमी और विजयादशमी के अवसर पर विराट हिंदू उत्सव समिति एवं चिंतन मंच के तत्वावधान में झांकी समितियों के सम्मान में अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। हनुमान चौराहा स्थित मंदिर प्रांगण में बालाजी एवं राम दरबार के पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। हिंदू उत्सव समिति प्रमुख कैलाश मंथन ने बताया कि पिछले पांच दिनों के दौरान शहर के करीब 250 झांकी पंडालों पर पहुंचकर समितियों, कार्यकर्ताओं, समाजसेवियों, मीडियाकर्मियों और अखाड़ों के उस्तादों को मां अंबे सम्मान पत्र एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

शक्तिबाण से मूर्छित हुए लक्ष्मण, प्रभु राम के विलाप से नम हुईं दर्शकों की आंखें



हरिभूमि न्यूज ⏭ गुना

सार्वजनिक श्री रामलीला एवं दशहरा पर्व समिति के तत्वाधान में पुरानी गल्ला मंडी प्रांगण में आयोजित रामलीला के 14वें दिवस पर लंका युद्ध के सबसे मार्मिक और रोमांचक प्रसंग लक्ष्मण शक्ति तथा कुंभकर्ण वध की लीला का जीवंत मंचन किया गया।

कलाकारों के सजीव अभिनय ने दर्शकों को पूरी तरह भावविभोर कर दिया।लीला के दौरान वानर सेना के लंका पहुंचने पर राक्षसों में खलबली मच जाती है। रावण के भेजने पर युद्धभूमि में मेघनाद और लक्ष्मण के बीच भीषण संग्राम छिड़ जाता है, जहां मेघनाद द्वारा छोड़े गए शक्तिशाली ब्रह्मबाण से लक्ष्मण मूर्छित हो जाते हैं। जब हनुमान जी मूर्छित लक्ष्मण को श्रीराम के पास लेकर पहुंचते हैं, तो अनुज की ऐसी दशा देखकर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम अत्यंत व्याकुल हो उठते हैं और उनका यह विलाप देखकर पंडाल में बैठे दर्शकों की आंखें भी नम हो जाती हैं। इसके बाद हनुमान जी लंका से सुषेण वैद्य को लेकर आते हैं, जिनके द्वारा संजीवनी बूटी के उपचार से लक्ष्मण की मूर्च्छा टूटती है और उनके होश में आते ही रामदल में खुशी की लहर दौड़ जाती है।

इसके अगले चरण में भगवान राम और महाबली कुंभकर्ण के बीच भीषण युद्ध का मंचन हुआ, जिसमें भगवान श्रीराम ने कुंभकर्ण का वध कर दिया।

फतेहगढ़ में आरएसएस का शस्त्र पूजन एवं पथ संचलन, पंच परिवर्तन अपनाने का आह्वान



हरिभूमि न्यूज ⏭ गुना

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा शस्त्र पूजन एवं पथ संचलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता संघ के विभाग प्राध्यापक कार्य प्रमुख पं. तुलसीदास दुबे ने अपने बौद्धिक में कहा कि संघ विगत 100 वर्षों से सेवा, समर्पण, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए कार्य कर रहा है। संघ का उद्देश्य संगठित, समरस और समर्थ समाज का निर्माण करना है। पं. दुबे ने सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्व का बोध और नागरिक कर्तव्यों के पालन पर आधारित पंच परिवर्तन को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समाज की समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्येक नागरिक को अपनी भूमिका निभानी चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि खंड संघचालक, खंड कार्यवाह एवं मुख्य वक्ता पं. दुबे ने शस्त्र पूजन किया। इसके बाद स्वयंसेवकों ने राष्ट्रभक्ति के गीतों और घोष की धुन पर अनुशासित तरीके से दंड के साथ नगर के विभिन्न गली-मोहल्लों से पथ संचलन निकाला। पथ संचलन का जगह-जगह पुष्पवर्षा, रंगोली और आतिशबाजी से स्वागत किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वयंसेवक एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

समाजसेवी के प्रयासों से रामरति को मिला परिवार, 20 दिन से थीं लापता

शाहजहांपुर से गुना पहुंचा परिवार, पति और भांजे साथ ले गए घर

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुना

घर से भटककर निराश्रित अवस्था में मिली उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले की रहने वाली रामरति को आखिरकार अपना परिवार मिल गया। समाजसेवी प्रमोद भार्गव के प्रयासों से उनके परिजनों का पता चला। इसके बाद रामरति के पति दुर्गाप्रसाद, भाई अमर और भांजे निहाल उन्हें लेने के लिए गुना पहुंचे और अपने साथ घर ले गए।



रामरति के सकुशल परिवार में लौटने से परिजनों में खुशी का माहौल है। समाजसेवी प्रमोद भार्गव ने बताया कि करीब चार दिन पहले चाचौड़ा थाना प्रभारी दिलीप राजोरिया ने उन्हें सूचना दी थी कि एक महिला निराश्रित अवस्था में घूम रही है। पुलिस महिला को चाचौड़ा से गुना लेकर आई थी। इसके बाद भार्गव ने महिला से बातचीत कर उसके परिवार और निवास स्थान के संबंध में जानकारी जुटाने का प्रयास किया। रामरति टूटी-फूटी भाषा में कुछ जानकारियां दे पाईं। इन्हीं जानकारियों के आधार पर उनके परिवार का पता लगाने में सफलता मिली। परिजनों से संपर्क होने के बाद रामरति को उनके परिवार तक पहुंचाने की प्रक्रिया शुरू की गई।

जानकारी के अनुसार, रामरति के पति दुर्गाप्रसाद दुर्जन ने 18 अक्टूबर 2026 को उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले के पूंवायां थाने में उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रामरति करीब 20 दिन पहले अचानक घर से लापता हो गई थीं। परिजनों के अनुसार, वह मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं और उन्हें नियमित देखभाल की आवश्यकता रहती है। परिवार का पता चलने से पहले रामरति को शिवपुरी स्थित अपना घर आश्रम में भर्ती कराया गया था, जहां उनके रहने की व्यवस्था की गई। परिजनों को जानकारी मिलने के बाद उनके पति, भाई और भांजे गुना पहुंचे और उन्हें अपने साथ घर ले गए। रामरति के पति दुर्गाप्रसाद ने बताया कि उनके तीन बच्चे हैं, जो अपनी मां को बहुत याद कर रहे थे। मां के घर लौटने से बच्चों और परिवार को बड़ी राहत मिली है।

कोतवाली थाना पुलिस ने मारपीट के अलग-अलग तीन प्रकरणों में फरार स्थाई वारंटी किया गिरफ्तार

गुना। पुलिस अधीक्षक हितिका वासल के कुशल नेतृत्व में गुना पुलिस द्वारा विभिन्न प्रकरणों में फरार आरोपियों, इनामी बदमाशों, वारंटियों आदि की धरपकड़ हेतु एक अभियान के रूप में सख्त और प्रभावी कार्यवाहियां की जा रहीं हैं । इसी तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत सिंह सुमन के मार्गदर्शन एवं सीएसपी गुना सेफा हासमी के पर्यवेक्षण में गुना कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक निरीक्षक राजकुमार शर्मा और टीम द्वारा मारपीट के अलग-अलग तीन प्रकरणों में फरार स्थाई वारंटी गिरफ्तार किया है । गौरतलब है कि आरोपी साहिल पवार निवासी हनुमान कॉलोनी गुना एवं अन्य के द्वारा मारपीट की घटनाओं को लेकर उनके विरूद्ध गुना कोतवाली थाने में प्रकरण दर्ज हुए थे, उक्त प्रकरणों में आरोपी साहिल पवार के न्यायालयीन कार्यवाही से लगातार फरार रहने पर माननीय न्यायालय गुना से न्यायालयीन प्रकरण क्रमांक क्रमशः 52/20, 38/20 एवं 179/21 में आरोपी की गिरफ्तारी हेतु स्थाई वारंट जारी हुए थे । पुलिस द्वारा 20 अक्टूबर 2026 को वारंटी के संबंध में मुखबिर सूचना पर पुलिस टीम द्वारा त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही करते हुए प्रकरण में लंबे समय से फरार चल रहे स्थाई वारंटी साहिल पुत्र बलबहादुर पवार उम्र 27 साल निवासी हनुमान कॉलोनी गुना को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया ।

यातायात सुधार की कवायद तेज, मारुति शोरूम से भुल्लनपुरा तक बनेगा प्रस्तावित फोरलेन

गुना। शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने, सड़क चौड़ीकरण और वैकल्पिक रूट डायवर्जन की संभावनाओं को लेकर कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने आज शहर के विभिन्न स्थानों का निरीक्षण किया। उन्होंने मारुति शोरूम से भुल्लनपुरा तक प्रस्तावित फोरलेन, मारुति शोरूम से एसडीएम कार्यालय तक सड़क चौड़ीकरण, बस स्टैंड, थाना एवं नगर पालिका के लिए अतिरिक्त भूमि की उपलब्धता सहित विभिन्न बिंदुओं पर अधिकारियों से जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण की शुरुआत मारुति शोरूम से हुई। यहां लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मारुति शोरूम से भुल्लनपुरा तक फोरलेन निर्माण का प्रारंभिक प्रस्ताव भेजा जा चुका है। कलेक्टर ने मारुति शोरूम के पास पोल शिफ्टिंग और रोड एग्जीक्यूशन प्लान तैयार करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने मारुति शोरूम से एसडीएम कार्यालय तक सड़क चौड़ीकरण की संभावनाओं का भी विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर निरीक्षण किया। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान नगर पालिका, थाना एवं बस स्टैंड के लिए अतिरिक्त भूमि की उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली।

बालक के अपहरण एवं बंधक बनाकर मारपीट मामले में पुलिस ने दबोचा अपहरणकर्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुना



पुलिस अधीक्षक हितिका वासल के कुशल एवं संवेदनशील नेतृत्व में गुना पुलिस द्वारा गंभीर अपराधों की रोकथाम तथा आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाहियां की जा रही हैं । इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत सिंह सुमन के मार्गदर्शन एवं सीएसपी गुना सैफा हासमी के पर्यवेक्षण में केंट थाना प्रभारी निरीक्षक अनूप कुमार भार्गव और उनकी टीम द्वारा 10 वर्षीय नाबालिग बालक के अपहरण एवं उसे बंधक बनाकर मारपीट के गंभीर मामले में सक्रिय एवं सक्रिय कार्यवाही करते हुए अपहरणकर्ता आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है । प्राप्त जानकारी के अनुसार 16 अक्टूबर 26 को एक व्यक्ति ने केंट थाना पुलिस को अपने 10 वर्षीय नाबालिग भतीजे के सुबह से लापता होने की सूचना दी थी । मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 951/26, धारा 137(2) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर बालक की तलाश प्रारंभ की गई और 17 अक्टूबर 2026 को बालक को दस्तयाब कर लिया गया । प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए केंट थाना पुलिस ने आरोपी की पतारसी के लिए विभिन्न संभावित स्थानों के सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से अवलोकन किया । पुलिस टीम द्वारा लगातार किए गए प्रयासों एवं तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण के आधार पर गत दिवस को संदिग्ध आरोपी को पकड़ लिया गया । पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम शिवकुमार उर्फ हल्के उर्फ भूपत सिंह पुत्र जसवंत रघुवंशी निवासी ग्राम क्षेत्रपाल थाना आरोन जिला गुना का बताया । पुलिस द्वारा आरोपी को प्रकरण में विधिवत गिरफ्तार कर उसे आज माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया ।

पुलिस वाहनों की पूजा-अर्चना, जिले के सभी थानों में भी परंपरानुसार हुए आयोजन

पुलिस लाइन में विधि-विधान से हुआ शस्त्र पूजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुना



विजयादशमी पर्व के पावन अवसर पर प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुरूप दिनांक 20 अक्टूबर 2026 को गुना पुलिस लाइन में शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक हितिका वासल एवं कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने विधि-विधान, मंत्रोच्चार एवं हवन के साथ पुलिस विभाग के शस्त्रों एवं वाहनों की विधिवत पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम के दौरान विजयादशमी की परंपरा का निर्वहन करते हुए प्रतीकात्मक रूप से तलवार से तूमड़े की बलि भी दी गई । शस्त्र पूजन के माध्यम से पुलिस विभाग की गौरवशाली परंपरा, कर्तव्यनिष्ठा एवं जनसेवा के संकल्प को अभिव्यक्त किया गया । इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्रीमती हितिका वासल ने जिलेवासियों को विजयादशमी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की । उन्होंने जिले की निरंतर उन्नति एवं प्रगति की कामना करते हुए पर्व के उल्लास और सामाजिक सद्भाव के साथ त्योहार मनाने का संदेश दिया। शस्त्र पूजन कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत सिंह सुमन, एसडीएम गुना शिवानी पाण्डे, डिप्टी कलेक्टर देवांशु शिवहरे, डीएसपी मुख्यालय जमीलउद्दीन सिद्दीकी, सीएसपी गुना सुशैफा हाशमी, एसडीओपी गुना हेमंत पाण्डेय, डीएसपी अजाक विवेक अस्थाना, डीएसपी यातायात मुकेश दीक्षित, होमगार्ड कमांडेंट आर.के. पथरौल, गुना तहसीलदार मयंक तिवारी एवं रक्षित निरीक्षक पूजा उपाध्याय सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे । इनके अतिरिक्त पीएस टू एसपी निरीक्षक अनिल साहू, कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक राजकुमार शर्मा, केंट थाना प्रभारी निरीक्षक अनूप कुमार भार्गव, प्रभारी रेडियो निरीक्षक विकास उपाध्याय, निरीक्षक जुबेर खान, यातायात प्रभारी निरीक्षक अजय प्रताप सिंह कुशवाह, अजाक थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेश सिंह कुशवाह, फिंगर प्रिंट निरीक्षक अरविन्द शर्मा, निरीक्षक त्रिवेणी राजावत, सूबेदार यशवंत रघुवंशी, उपनिरीक्षक स्टेनो गोविन्द यादव, डीएसबी प्रभारी उपनिरीक्षक ऋतु शर्मा, मुख्य लिपिक उपनिरीक्षक अमित मौर्य, उपनिरीक्षक आशालता पवार, एमटीओ उपनिरीक्षक धीरेन्द्र लाल एवं आर्म्स शाखा प्रभारी उपनिरीक्षक कल्याण सिंह भदौरिया सहित अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी एवं कार्यालयीन स्टाफ मौजूद रहा । विजयादशमी पर्व के उपलक्ष्य में गुना जिले के समस्त पुलिस थानों में भी संबंधित थाना प्रभारियों द्वारा पुलिस के शस्त्रों एवं वाहनों की विधिवत पूजा-अर्चना की गई । इस प्रकार जिलेभर में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ शस्त्र पूजन कार्यक्रम संपन्न हुए।

समाचार संक्षेप

विजयादशमी पर मां शीतला दरबार सेवा समिति ने किया नगर भंडारे का आयोजन



राघौगढ़। विजयादशमी के पावन पर्व पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मां शीतला दरबार सेवा समिति, राघौगढ़ द्वारा निचला बाजार स्थित माता शीतला मंदिर पर नगर भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मां शीतला का विशेष श्रृंगार कर छप्पन भोग अर्पित किया गया। समिति ने सभी नगरवासियों एवं श्रद्धालुओं को विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं। समिति से प्राप्त जानकारी के अनुसार, नौ दिवसीय शारदीय नवरात्र के समापन पर विजयादशमी के दिन माता शीतला की विशेष पूजा-अर्चना के साथ नगर भंडारे का आयोजन किया गया। इसकी तैयारियां विगत कई दिनों से चल रही थीं। मां शीतला का नगर भंडारा क्षेत्र में विशेष प्रसिद्ध है। इसमें प्रसादी ग्रहण करने के लिए आसपास के क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। सुबह से प्रारंभ होकर देर रात तक चलने वाले इस भंडारे की व्यवस्थाएं नगरवासी स्वप्रेरणा से संभालते हैं। आयोजन में सभी लोग तन-मन-धन से निस्वार्थ भाव से सेवा करते हैं। नवरात्र के नौ दिनों तक माता की सेवा एवं पूजा-अर्चना के बाद विजयादशमी पर मां शीतला को भावपूर्ण विदाई दी गई। माता की झांकियों के विसर्जन चल समारोह के दौरान रात्रि में भी समिति द्वारा श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। मंगलवार दोपहर को नगर की विभिन्न झांकियां विसर्जन के लिए पार्वती नदी पहुंचीं, जहां श्रद्धालुओं ने नम आंखों से मां को विदाई दी। पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय माहौल रहा और श्रद्धालुओं ने माता रानी से सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

मोगिया समाज का जुलूस निकला, तंत्र-मंत्र की प्राचीन मान्यताओं के बीच हुई आरती



कुंभराज। नगर में मोगिया समाज का वर्षों पुराना पारंपरिक जुलूस (माता के जवारे) पूरे उत्साह और धूमधाम के साथ निकाला गया। जुलूस की शुरुआत मोगिया गली स्थित बीजासन माता मंदिर में महाआरती के साथ हुई। इस दौरान बड़ी संख्या में समाजजन और श्रद्धालु शामिल हुए। जबरा कार्यक्रम और आकर्षक झांकियां मुख्य आकर्षण रहीं। मोगिया समाज में भी तंत्र-मंत्र से जुड़ी पारंपरिक मान्यताओं के प्रति विश्वास देखने को मिलता है। ढोल-नगाड़ों और माता रानी के जयकारों के साथ जुलूस नगर के मुख्य मार्गों एवं निचले बाजार से होता हुआ गोपाल मंदिर के समीप पक्का घाट पहुंचा। यहां माता रानी की अंतिम महाआरती कर प्रसाद वितरित किया गया। इसी के साथ धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन का समापन हुआ।

राघौगढ़ में श्रमण धारा प्रवचन माला में दिए मंगल प्रवचन

अधिकारों से अधिक कर्तव्यों पर ध्यान देने वाला ही श्रेष्ठ : मुनि श्रमण सागर महाराज

हरिभूमि न्यूज ⏭ राघौगढ़



दिगंबर जैन आचार्य विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य, प्रवचन वाचस्पति, महातपस्वी, ओजस्वी वक्ता एवं बुंदेली आसु कवि मुनि श्रमण सागर जी महाराज ने राघौगढ़ में जारी श्रमण धारा प्रवचन माला में मंगल प्रवचन देते हुए कहा कि श्रेष्ठ राजा वही होता है, जो बुद्धिमानीपूर्वक अधिकारों से अधिक अपने कर्तव्यों का ध्यान रखता है। जो व्यक्ति कर्तव्यों को भूलकर केवल अधिकारों पर ध्यान देता है, वह मूर्ख कहलाता है। मुनिराज ने शिक्षक के गुणों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एक योग्य शिक्षक अपने शिष्य के आचरण से उसके व्यक्तित्व को पहचान लेता है। यदि शिक्षक स्वयं विद्यालय में शराब पीकर आएगा, तो वह अपने शिष्यों को संस्कारित नहीं बना सकता। दूसरों को संस्कारों की शिक्षा देने से पहले स्वयं के आचरण में संस्कारों को उतारना अत्यंत आवश्यक है। मुनि ने आचार्य विद्यासागर जी महाराज के वचनों का उल्लेख करते हुए कहा, ₹बड़ा आदमी बनना अच्छी बात है, लेकिन अच्छा आदमी बनना बहुत बड़ी बात है।₹ उन्होंने जीवन में सदाचार, कर्तव्यनिष्ठा और संस्कारों के महत्व पर जोर दिया। प्रतिदिन की भांति मुनि श्रमण सागर जी महाराज ने अपनी स्वरचित कविता भी सुनाई, जिसका शीर्षक 'वही तो हम आपसे कह रहे हैं' है। मंच संचालक विकास कुमार जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि 25 अक्टूबर को आचार्य विद्यासागर जी महाराज द्वारा रचित ज्ञानवर्धक हाइकू पर आधारित परीक्षा दोपहर 1 बजे आयोजित की जाएगी। परीक्षा में वरिष्ठ वर्ग तथा छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग वर्ग बनाए गए हैं। विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। शरद पूर्णिमा के शुभ अवसर पर 26 अक्टूबर को आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज एवं नवाचार्य समय सागर जी महाराज का अवतरण दिवस श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर प्रातः 6:45 बजे से अभिषेक एवं शांतिधारा के पश्चात आचार्य छत्तीसी विधान का सामूहिक आयोजन होगा।प्रातः 8:30 बजे से मुनि श्रमण सागर जी महाराज के विशेष प्रवचन होंगे, जो आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज को समर्पित रहेंगे। इनमें दोनों आचार्यों के सान्निध्य में बिताए गए अमूल्य क्षणों के संस्मरण भी साझा किए जाएंगे। संगीतमय सामूहिक विधान प्रतिष्ठाचार्य संजय शास्त्री, के कुशल निर्देशन में संपन्न होगा।

विजयादशमी पर राघौगढ़ थाने में विधि-विधान से हुआ शस्त्र पूजन



हरिभूमि न्यूज ⏭ राघौगढ़

विजयादशमी के पावन पर्व पर राघौगढ़ थाना परिसर में पुलिस विभाग की परंपरा के अनुरूप शस्त्र पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विधि-विधान से शस्त्रों की पूजा-अर्चना कर विजयादशमी का पर्व मनाया। कार्यक्रम में थाने का समस्त पुलिस स्टाफ उपस्थित रहा। विजयादशमी का पर्व बुराई पर अच्छाई और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक माना जाता है। भारतीय परंपरा में इस दिन शस्त्र पूजन का विशेष महत्व है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए राघौगढ़ थाने में पुलिसकर्मियों ने अपने शस्त्रों का पूजन किया तथा पुलिस विभाग की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाया। शस्त्र पूजन के माध्यम से पुलिसकर्मियों ने अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पण, अनुशासन और जनसेवा की भावना को अभिव्यक्त किया। पुलिस विभाग में शस्त्र केवल सुरक्षा के साधन ही नहीं, बल्कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी के प्रतीक भी हैं। इस अवसर पर थाना परिसर में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पूजन संपन्न हुआ।

कुंभराज पुलिस की जुआरियों पर कार्रवाई, चार आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ चांचौड़ा



पुलिस अधीक्षक हितिका वासल के कुशल नेतृत्व में गुना पुलिस द्वारा जिले में जुआ, सट्टा एवं अन्य अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत सिंह सुमन के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी चांचौड़ा मनोज कुमार झा के पर्यवेक्षण में कुम्भराज थाना प्रभारी निरीक्षक अमित अग्रवाल और उनकी टीम ने जुआ खेल रहे चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 10,300 रुपये नकद, ताश की एक गड्डी और एक मोटरसाइकिल जब्त की है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 18 अक्टूबर 2026 को कुम्भराज थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि कुम्भराज रेलवे स्टेशन रोड स्थित एक खेत में कुछ व्यक्ति ताश के पत्तों पर हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम तत्काल मौके के लिए रवाना हुई। बताए गए स्थान पर पहुंचकर पुलिस ने घेराबंदी की और जुआ खेल रहे चार व्यक्तियों को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम भगवान सिंह, पिता हरिप्रसाद कुशवाह तथा अर्जुन, पिता लक्ष्मीनारायण कुशवाह, दोनों निवासी ग्राम सीताखेड़ी, थाना राघौगढ़; अशोक, पिता रूपसिंह भील, निवासी ग्राम चैनपुरा, थाना राघौगढ़; और दिनेश, पिता ब्रह्मानंद सेन, निवासी ग्राम सारसेहला, थाना राघौगढ़, जिला गुना बताए। पुलिस ने मौके से 10,300 रुपये नकद, ताश की एक गड्डी एवं जुआ खेलने के लिए उपयोग में लाई जा रही एक मोटरसाइकिल विधिवत जब्त की। चारों आरोपियों के विरुद्ध कुम्भराज थाने में अपराध क्रमांक 210/26 के तहत धारा 13 जुआ एक्ट में प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई है।

मां बीस भुजा मंदिर में लगा भक्तों का महाकुंभ, सुबह से देर रात तक श्रद्धालुओं का आवागमन रहा जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुना



विगत दिवस नवरात्रि के अष्टम दिवस प्रसिद्ध माँ बीस भुजा देवी मंदिर में आस्था का अनूठा दृश्य देखने को मिला। माता के दर्शन और पूजन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। सुबह से शुरू हुआ भक्तों के आगमन का सिलसिला देर रात तक जारी रहा। दूर-दूर से आए भक्तों ने माता के दर्शन कर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के बीच सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी बजरंगगढ़ पुलिस ने संभाली। थाना प्रभारी कृपाल सिंह परिहार सुबह से लेकर देर रात तक स्वयं मोर्चे पर डटे रहे और व्यवस्थाओं की निगरानी करते रहे। उन्होंने मंदिर क्षेत्र में परिस्थितियों का जायजा लिया तथा आवश्यकतानुसार पुलिसकर्मियों को दिशा-निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं की आवाजाही व्यवस्थित बनी रहे और दर्शन के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो।मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने के कारण मंदिर मार्ग और आसपास के रास्तों पर यातायात व्यवस्था बनाए रखना महत्वपूर्ण रहा। पुलिस ने मंदिर मार्ग से हाईवे तक आवागमन पर नजर रखी। श्रद्धालुओं के वाहनों और आम राहगीरों की आवाजाही सुचारु बनाए रखने के लिए निगरानी की गई।

थाना प्रभारी कृपाल सिंह परिहार ने पुलिस बल के साथ समन्वय बनाकर व्यवस्थाएं संभालीं, ताकि माता के दर्शन के लिए आने वाले भक्तों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। भंडारों में प्रसादी, खिचड़ी और फलाहार का वितरणमंदिर प्रांगण में विभिन्न भक्तों द्वारा भंडारों का आयोजन कर सेवा कार्य भी किए गए। श्रद्धालुओं को प्रसादी के साथ खिचड़ी और फलाहार का वितरण किया गया। इन सेवा कार्यों से मंदिर परिसर में धार्मिक उत्साह और सेवा भावना का वातावरण बना रहा। माँ बीस भुजा देवी मंदिर में उमड़े भक्तों के महाकुंभ के दौरान आस्था, सेवा और सुरक्षा का संगम देखने को मिला। एक ओर श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए पहुंचते रहे, तो दूसरी ओर भक्तों ने भंडारों के माध्यम से सेवा की। वहीं, थाना प्रभारी कृपाल सिंह परिहार के नेतृत्व में बजरंगगढ़ पुलिस श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखने में जुटी रही। आज भी लगातार श्रद्धालुओं का मंदिर दर्शन आने का सिलसिला जारी है।

चंदेरी में धूमधाम से हुआ मां काली का विसर्जन व्यवस्थाओं की कमी के चलते लगा लंबा जाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ चंदेरी



दशहरे के पावन पर्व पर मंगलवार को चंदेरी नगर में आदिशक्ति माँ जगदंबे और विभिन्न झांकियों को अंतिम विदाई देने के लिए श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा। इंदिरा पार्क के पीछे खटीक समाज द्वारा आयोजित माँ काली की झांकी को अंतिम रूप देने से पूर्व विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना और आरती की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं ने माता की प्रतिमा को अपने कंधों पर उठाया और थाने के ऊपर से होते हुए ललितपुर-राजघाट मार्ग स्थित कुकुर तलैया तक पहुँचे। इस दौरान हजारों की संख्या में पुरुष और महिलाएं माता रानी के जयकारे लगाते हुए उनके पीछे-पीछे चल रहे थे। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा माँ काली का भव्य स्वागत किया गया। नगर के अन्य क्षेत्रों की झांकियों और मूर्तियों का विसर्जन भी राजघाट स्थित बेतवा नदी पर किया गया।

प्रशासनिक व्यवस्थाओं के बीच आयोजकों की लाचारी से लगा जामः हालाँकि प्रशासन द्वारा सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, लेकिन समिति के आयोजकों की ओर से मूर्ति विसर्जन को लेकर उचित और सुचारू इंतजाम न होने के कारण चंदेरी-ललितपुर मार्ग पर भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई। दिल्ली दरवाजा से लेकर कुकुर तलइया तक करीब 1 किलोमीटर के दायरे में दो से ढाई घंटे तक वाहन और श्रद्धालु जाम में फंसे रहे,जिससे आम जनता को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि मूर्ति विसर्जन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद यातायात सुचारू रूप से खुल सका। स्थानीय नागरिकों और प्रबुद्धजनों का कहना है कि आगामी वर्षों में आयोजन समितियों को मूर्ति विसर्जन के लिए पहले से पुख्ता और सुव्यवस्थित इंतजाम करने चाहिए, ताकि धार्मिक उत्सव में बाधा न आए और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

ट्रक की टक्कर से दो चचेरे भाईयों की मौत

अशोकनगर। अशोकनगर गुना सड़क मार्ग पर सेजी गांव के समीप तेज गति से आ रहे ट्रक ने एक बाइक में टक्कर मार दी। इस घटना में बाइक पर बैठे दो चचेरे भाईयों की मौत हो गई। दोनो भाई सोमवार की रात को घर से शादौरा में माता की झांकी देखने जा रहे थे तभी यह घटना हुई। सेजी पठार निवासी दीपू पुत्र कैलाश आदिवासी एवं राजा पुत्र सुरेश आदिवासी दोनों बाइक पर सवार थे, दोनों की मौत हो गई है। इस घटना में बताया गया है कि उनकी बाईक ट्रक के अगले हिस्से में फंस गई, इस घटना में एक युवक बाईक के साथ 150 फीट तक घिसटता चला गया जबकि दूसरा ट्रक के पिछले पहिए में फंस गया। यह दोनों ट्रक अशोकनगर की ओर तेज गति से जा रहे थे, तभी यह घटना हुई। इस घटना में दो अन्य बाईक सवार भी घटना के शिकार हो गए उन्हें भी चोटे आई हैं। जिनमें 5 लोग घायल हुए हैं।

राजपुर में माता की झांकियों का चल समारोह निकाला गया

राजपुर। कस्बे में मां दुर्गा की झांकियों का चल समारोह निकाला गया। रात्रि में सभी झांकियों में हवन पूजन किया गया तथा शिव मंदिर समिति ने कन्या भोज का भी आयोजन भी किया। विसर्जन के लिए जब माता की झांकियों को ले जाया जा रहा था तब महिलाएं सुहाग का सामान अर्पण कर पूजा अर्चना करते हुए देखीं गईं। राजपुर कस्बे की एक दर्जन झांकी समिति पहले हनुमान हाट बाजार चोराहा, रामलीला मैदान पर सभी झांकी एकत्रित हुईं। वहां से चल समारोह शाम 5 बजे निकाला गया। माता रानी की झांकी के आगे डीजे, डोल'नगाढे बज रहें थें युवा नाचते-गाते माता रानी के जयकारें लगा कर चल रहें थें। वहीं महिलाओं की टोली भी माता रानी के भजन गाती हुई चल समारोह में चल रही थी। रात्रि आठ बजे गांव की गलियों से होकर चल समारोह हनुमान चोराहा पर पहुंचा देर रात्रि कों माता जी झांकी विसर्जन के लिए लें गया। जहां घाट पर पहुंच कर पूजा-अर्चना कर विसर्जन किया गया। सुबह कईं जगह पर कन्याओं को भोजन कराया गया। वहीं जवारे भी विर्सजन के लिए ले जाए गए।



जन सुरक्षा कैंपों का आयोजन आज से

अशोकनगर। वित्तीय सेवाएं विभाग भारत सरकार एवं संचालनालय के निर्देशानुसार कलेक्टर साकेत मालवीय के मार्गदर्शन में अशोकनगर जिले की समस्त 328 ग्राम पंचायतों में 21 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक ग्राम पंचायत स्तर पर जनसुरक्षा योजनाओं के लिए संतृप्ति अभियान चलाया जाएगा। संतृप्ति अभियान के अंतर्गत अशोकनगर जिले की समस्त बैंक शाखाओं द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पर कैम्प आयोजित किये जायेंगे, जिसमे हितग्राहियों को प्रधानमंत्री जीवन सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, री- केवायसी, जन-धन खाता, प्रधानमंत्री मुद्रा योजाना आदि का लाभ प्रदान किया जा रहा है एवं उक्त योजनाओं के लाभ एवं बैंकिंग सेवाओं की जानकारी भी प्रदान की जाएगी। जिला अग्रणी प्रबंधक राजीव राय द्वारा समस्त लोगों से अनुरोध किया गया है कि अपने ग्राम पंचायतों मे होने वाले जन सुरक्षा कैम्प मे उपस्थित होकर उक्त योजनाओं का लाभ उठाये। विशेष कर पी.एम.जे.जे.वी.वाय तथा पी.एम.एस.वी.वाय योजना जिसमे रु.20 तथा रुपये 436 वार्षिक प्रीमियम मे 2 लाख का बीमा दुर्घटना तथा जीवन बीमा एवं अंग-भंग होने पर भी रु 1 लाख की दावा राशि प्राप्त होती है। साथ ही अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजाना री-केवायसी, जन-धन खाता योजनाओं का लाभ ले सकते हैं।

गौ रक्षक टीम ने झांकियों में जाकर माता की पूजा-अर्चना की

विजयादशमी पर शहर में पथ संचलन निकाला, जगह-जगह किया स्वागत

राष्ट्रीयता की भावना से परिपूर्ण है राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ : मुनिश्री



हरिभूमि न्यूज ⏭ ईसागढ़

नगर में नवरात्रि के अवसर पर श्रद्धा और भक्ति का माहौल देखने को मिला। इसी क्रम में गौ रक्षक टीम द्वारा नगर भ्रमण किया गया। इस दौरान नगर के विभिन्न स्थानों पर सजाए गए झांकी पंडालों में पहुंचकर समिति के सदस्यों ने माता रानी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा चुनरी अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। नगर भ्रमण के दौरान गौ रक्षक टीम के सदस्यों एवं माता रानी के भक्तों ने नगर के अलग-अलग क्षेत्रों में स्थापित झांकी पंडालों में पहुंचकर माता रानी के दर्शन किए। प्रत्येक पंडाल में श्रद्धापूर्वक पूजन-अर्चन कर चुनरी चढ़ाई गई। श्रद्धालुओं ने माता रानी से नगर में सुख-समृद्धि, शांति, खुशहाली और सभी नागरिकों के कल्याण की कामना की। इस आयोजन के माध्यम से गौ रक्षक टीम एवं माता रानी के भक्तों ने धार्मिक परंपराओं के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। नगर भ्रमण के दौरान विभिन्न झांकी पंडालों में पहुंचकर पूजा-अर्चना करना धार्मिक एकता और आपसी सद्भाव का प्रतीक रहा। नगर भ्रमण एवं पूजा-अर्चना के दौरान गौ रक्षक टीम और माता रानी के भक्तों में राहुल शर्मा, अंकित राठौर, दीपक जाट, अमन, कुलदीप, नीरज, विकास, अर्जुन और अंकित सहित अन्य सदस्य शामिल रहे। सभी ने नगर के विभिन्न झांकी पंडालों में पहुंचकर माता रानी के दर्शन किए।

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर

विजयादशमी के मौके पर शहर में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने पथ संचलन निकाला। पथ संचलन शहर के 10 बस्तियों के स्वयं सेवकों द्वारा निकाला गया। एक जैसी गणवेश में स्वयं सेवक कतारबद्ध होकर कदम से कदम मिलाते हुए निकले। जिसका समापन मानस भवन में किया गया। इस मौके पर मुनि निरंजन सागर महाराज ने स्वयं सेवक संघ के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि विजयादशमी का यह अवसर और इस अवसर पर विजय का प्रतीक यह विशाल पथ संचलन जो प्रतीक है राष्ट्रीयता का, एकता का, समन्वय का। यह आधारशिला है उस अखंड भारत की जो विदेशियों के कारण समय-समय पर खण्ड-खण्ड हो गया। यहाँ ध्वज को गुरु मानकर उसकी छत्र छाया तले सभी को एकता के सूत्र में पिरोने का कार्य वसुधैव कुटुम्बकम को चरितार्थ करता दिख रहा है।

उन्होंने कहा कि यहाँ सभी स्वयं से प्रेरित राष्ट्र रक्षा के लिये संघ में आते है। इसलिये इसका नाम राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ है। यहाँ मौजूद प्रत्येक व्यक्ति बिना वेतन के अपना तन मन धन इस राष्ट्र को समर्पित करने के लिये तत्पर रहता है। हमने स्वयं इस संघ में रहकर ही राष्ट्रधर्म क्या होता है, यह जाना है। बचपन से ही सुबह उठकर शाखा जाना, ध्वज को प्रणाम करना आदि कार्य दैनंदिनी जीवन चर्या का अभिन्न अंग था। जब संघ प्रार्थना के हिंदी अर्थ की ओर दृष्टिपात करते है तो सर्वस्व समर्पण की भावनाओं से ओतप्रोत हुये बिना नहीं रहते। इस प्रार्थना में मातृभूमि के साथ प्रभु को भी आदर पूर्वक नमस्कार कर उनसे शुभाशीष की मंगल कामना की है।





भगवान से ऐसी अजेय शक्ति की प्रार्थना की है, जिससे कोई भी भयभीत ना हो बल्कि एक ऐसा श्रेष्ठ चारित्र का निर्माण हम कर सके जिसके सामने पूरा संसार विनम्रता से झुक जाये। इस काँटों भरे मार्ग को हमने स्वयं चुना है और आप अपनी कृपा से इसे सुगम और आसान बनाये। मात्र वीरव्रत के द्वारा ही स्वर्ग और मोक्ष को प्राप्त किया जा सकता है। हमारे भीतर कभी न खत्म होने वाली ध्येय-निष्ठा बनी रहे और हमारे हृदय में देश सेवा की भावना दिन-रात जागती रहे। हमारी यह संगठित और विजयी कार्य शक्ति हमारे धर्म और संस्कृति की रक्षा करे। आपके आशीर्वाद से हमारा यह राष्ट्र संसार के परम वैभव पर पहुंचने में पूरी तरह समर्थ हो। आज भारतीय सनातन संस्कृति की रक्षा एवं सेवा जहाँ हो रही है तो ऐसे संगठन उसमें प्रमुखता से अपनी भूमिका निभा रहे हैं। राष्ट्रिय स्वयं सेवक संघ राष्ट्र भक्ति की जीवन्त मूर्ति है।

इस मौके पर मध्यभारत प्रांत के कार्यवाह, हेमन्त सेठिया, का प्रेरणादायी उदबोदन हुआ, मंच पर नगर संघ चालक ऋषभ जैन भी उपस्थित थे। संगठन की शक्ति, ज्ञान और शील का महत्व बताया। मुख्य वक्ता हेमंत सेठिया ने अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सौ वर्षों की यात्रा, राष्ट्र के प्रति समर्पण और समाज में संगठन की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए ज्ञान, शील और संगठन की शक्ति अत्यंत महत्वपूर्ण है। ज्ञान व्यक्ति को विवेक प्रदान करता है, शील उसके चरित्र को श्रेष्ठ बनाता है तथा संगठन की शक्ति समाज को एकजुट कर राष्ट्र निर्माण का मार्ग प्रशस्त करती है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने सौ वर्षों के सफर में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करते हुए राष्ट्रभक्ति, सेवा, अनुशासन और सामाजिक दायित्वों की भावना को मजबूत किया है। शताब्दी वर्ष केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को नए संकल्प के साथ निभाने का अवसर है।

खास बातें

- स्व का बोध अपनी संस्कृति, परंपराओं, स्वभाषा और राष्ट्रीय गौरव के प्रति जागरूकता।
- सामाजिक समरसता एवं वसुधैव कुटुम्बकम समाज के सभी वर्गों के बीच आत्मीयता, समानता, सद्भाव और एकात्मता की भावना को मजबूत करना।
- कुटुंब प्रबोधन परिवार में संस्कार, संवाद, नैतिक मूल्यों और सामाजिक दायित्वों को प्रोत्साहित करना।
- पर्यावरण संरक्षण जल, जंगल, भूमि और प्रकृति की रक्षा के लिए व्यक्तिगत एवं सामूहिक प्रयास करना।
- राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करना तथा अनुशासन एवं कर्तव्यनिष्ठा को जीवन का हिस्सा बनाना।

खबर संक्षेप

सड़क दुर्घटनाओं के दो मामले दर्ज

अशोकनगर। जिले में सड़क दुर्घटनाओं के दो मामले दर्ज किए गए हैं। जिले के देहात थाने के अंतर्गत शंकर कॉलोनी निवासी राज केवट ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि ऑटो क्रमांक एमपी 67 आर 1279 के चालक ने गिल्कू कबाड़ी की दुकान के सामने कोलुआ रोड़ पर अपने वाहन को तेजी और लापरवाही से चलाकर उसे टक्कर मार दी जिससे फरियाद व उसके साथी दीपक लोधी को चोटें आई हैं। पुलिस ने मामला दर्ज किया है।जिले के देहात थाने के ही अंतर्गत सुनील अहिरवार निवासी लखेरी बसारती ने 4 अक्टूबर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी जिसके बाद पुलिस ने कार क्रमांक 24 बीएच 4717 जे के चालक ने अपनी कार को तेजी व लापरवाही से चलाते हुए फरियादी की टेक्सी में टक्कर मार दी थी जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज

अशोकनगर। जिले के शाढौरा थाने के अंतर्गत ग्राम सेमरी शाहवाद निवासी मनीषा रघुवंशी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि ससुराल पक्ष की ओर से दहेज की मांग को लेकर उसे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया और मारपीट की। पुलिस ने ससुराल पक्ष पर दहेज का मामला दर्ज किया है।

अज्ञात आरोपी ने खाते से 95 हजार रुपए निकाले

अशोकनगर। जिले के मुंगावली थाने के अंतर्गत रामदयाल जाटव ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि अज्ञात आरोपी ने उसके बैंक खाते से साइबर अपराध कर 95 हजार रूपए निकाल लिए। पुलिस ने अज्ञात पर मामला दर्ज किया है।

मारपीट की घटनाओं के कई मामले दर्ज

अशोकनगर। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मारपीट की घटनाओं के कई मामले दर्ज किए गये हैं। जिले के सेहराई थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सोनाई निवासी सोनू आदिवासी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी रविन्द्र आदिवासी ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के पिपरई थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम प्यासी निवासी चन्द्रकुमार यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी सोनू,शीलकुमार, रामू, श्यामसिंह यादव ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। इसी घटना में दूसरे पक्ष की ओर से गोलू यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि खिल्लू,नीतेश,मलखान और दिलीप यादव ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के मुंगावली थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम टीला निवासी मोनू यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी पचंम यादव, कल्याण यादव ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के कदवाया थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम माधौपुर कुकरया निवासी लालसाहब कुशवाह ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी बल्लू, कुशवाह, छोटू कुशवाह ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के ईसागढ थाना क्षेत्र के अंतर्गत टकनेरी निवासी प्रमोद गुर्जर ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी सनी बराज यादव, नंदकुमार शहराज, परमार और राकेश यादव ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

भारी-मध्यम वाहनों का प्रातः 07 बजे से रात्रि 10 बजे तक प्रवेश वर्जित

अशोकनगर। शहर में यातायात की सुगम व्यवस्था, स्कूली बच्चों के आवगमन,सडक दुर्घटना, त्यौहारों एवं वर्तमान समय की परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए अत्याधिक भीड एवं वाहनों की संख्या अधिक होने के कारण शहर अशोकनगर के चिन्हित स्थानों पर भारी/ मध्यम वाहनों का प्रातः 07 बजे से रात्रि 10 बजे तक प्रवेश वर्जित (नो एंट्री) किया जाना आवश्यक है। मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 115 के अंतर्गत अशोकनगर शहर में यातायात के बढ़ते हुये दबाव के कारण सार्वजनिक सुरक्षा एवं सुविधा की दृष्टिगत रखते हुये, अपर कलेक्टर एवं अपर जिला दण्डाधिकारी जिला अशोकनगर देवकी नंदन सिंह द्वारा जारी आदेश अनुसार अशोकनगर शहर के निर्धारित क्षेत्रों में प्रातः 07 बजे से रात्रि 10 बजे तक भारी/मध्यम वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित किया गया है।

आतिशबाजी के साथ रावण, कुम्भकरण और मेघनाथ के पुतलों का दहन हुआ

विजयादशमी पर भगवान राम व दशानन की सेनाएं रथ पर सवार होकर निकलीं







हरिभूमि न्यूज ▶▶ अशोकनगर

विजयादशमी के पर्व पर स्थानीय रामलीला मंच से एक विजयी चल समारोह उत्साह पूर्वक निकाला गया। इस चल समारोह में राम लीला के पदाधिकारियों द्वारा विजयीरथ पर सवार प्रभु श्रीराम की सेना को और दशानन रावण की सेना को दशहरा मैदान पर रवाना किया गया। इस चल समारोह में मेघनाथ के पुतले को भी हर वर्ष की तरह शामिल किया गया था। इस मौके पर आकर्षक आतिशवाजी के साथ रावण, कुम्भकरण और मेघनाथ के पुतलों का दहन किया गया। सुभाषगंज से निकले चल समारोह में गयाप्रसाद कलाकार मण्डल के अध्यक्ष राव यादवेन्द्र सिंह यादव उपाध्यक्ष प्रमोद जैन, सचिव रजनीश सिंघई, कोषाध्यक्ष गोविंद गुप्ता सहित रामलीला के छोटे बड़े सभी कलाकार शामिल थे। यह चल समारोह सुभाषगंज से प्रारंभ होकर शहर के स्टेशन रोड़ गांधी चैक, सुराना चैराहा, पठार होते हुए दशहरा मैदान पहुंचा। जहां राम दरवार के लिए अलग मंच बनाया गया था। इस विजयादशमी के पर्व पर प्रशासन के अधिकारी और जनप्रतिनिधि मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने विजयादशमी के पर्व पर अपना संबोधन दिया। इस दौरान रामलीला के पदाधिकारियों ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

आकर्षक आतिशबाजी का कमाल देखने को मिला

दशहरा मैदान पर राम और रावण की सेनाओं के बीच युद्ध होते हुए दिखाया गया। इस मौके पर राम और रावण के बीच संवाद भी सुनाए गए। दशहरा मैदान पर आर्कषक आतिशवाजी का प्रदर्शन भी किया गया। मण्डल के अध्यक्ष डॉ. जयमण्डल यादव, सचिव कैलाश गुप्ता, उपाध्यक्ष डॉ. हरवीर रघुवंशी, सह सचिव तेजन्दर खुराना, गौपाल कौल, देवेन्द्र अग्रवाल, सौरभ गुप्ता टिंगू, सहित कई पदाधिकारी शामिल थे। इस दौरान आर्कषक आतिशवाजी ने लोगों का मन मोह लिया। इस दौरान एक के बाद एक आर्कषक आतिशवाजी शहर के आकाश को रोशन करती हुए नजर आई। इस दशहरा उत्सव पर हजारों की संख्या में लोगों की भीड़ आयोजन स्थल पर शामिल थी। व्हीआईपी लोगों को अन्दर प्रवेश दिया गया था और सामान्य लोगों को बाहर से ही इस कार्यक्रम को देखना पड़ा।

उत्सव में लंबे भाषणों से जनता निराश हुई

दशहरा पर्व पर आम जन जिस उत्सव को देखने के लिए गांव गांव से अशोकनगर शहर पहुंचते हैं, वह उत्सव देखने की मंशा से आते हैं लेकिन आयोजन स्थल पर उत्सव के साथ साथ लंबे चौड़े भाषणों के कारण मौजूदा लोगों को निराश होता देखा गया। वह इस बात का इंतजार करते रहे जल्द से जल्द उत्सव को समापन की ओर ले जाया जाए, लेकिन पहली बार ऐसा हुआ कि लोगों को इंतजार करना पड़ा, भाषणों के कारण लोग बेचैन और उदास देखे गए।

खास बातें

- कार्यक्रम इस बार भी मोहरी के स्टेडियम में आयोजित किया गया।
- आकर्षक आतिशबाजी के दौरान नई तकनीक एआई का इस्तेमाल किया गया।
- इस दौरान एक पटाखा बाहर की ओर भीड़ में आया जिससे लोग डरकर भागे।
- मंच पर दशहरा पर्व की महत्वता की जगह भाषणबाजी होती रही।
- उपस्थित भीड़ रावण दहन का इंतजार करती रही,
- पास जारी करने के बाद भी एक नंबर गेट की जगह दो नंबर गेट से प्रवेश दिया गया।
- जितने भी बैनर थे उनमें रावण की जगह रावन लिखा गया।
- रावण दहन के बाद उसकी लकड़ी लूटकर ले जाते हुए देखा गया।
- रावण दहन रात 8 बजे के बाद हुआ।

पहले मेघनाथ, फिर कुम्भकरण अंत में रावण के पुतले का दहन किया गया

सबसे पहले मेघनाथ के पुतले का दहन किया गया। असत्य पर सत्य की विजय और अच्छाई पर बुराई के प्रतीक यह पुतले धूं धूं कर जल उठे। मेघनाथ के बाद कुम्भकरण और सबसे अन्त में रावण के पुतले का दहन किया गया। इस दौरान पहली वार रावण के पुतले को पिंक कलर और कुम्भकरण के पुतले को गोल्डन तथा मेघनाथ के पुतले को सिल्वर कलर से सजाया गया था। रावण की नाभि में जैसे ही तीर लगा वैसे ही रावण जल उठा।

कलेक्टर और अन्य अधिकारी शामिल हुए

दशहरा पर्व पर पुलिस लाइन अशोकनगर में विधि-विधान से किया गया शस्त्र पूजन



हरिभूमि न्यूज ▶▶ अशोकनगर

दशहरा पर्व के पावन अवसर पर पुलिस लाइन अशोकनगर परिसर में पारंपरिक रूप से शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधि-विधान के साथ माँ दुर्गा की पूजा-अर्चना की गई तथा पुलिस के शस्त्रों को तिलक लगाकर पूजन किया गया। इस अवसर पर हवन एवं अन्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कर पुलिस वाहनों का भी विधिवत पूजन किया गया।

कार्यक्रम में मुंगावली विधायक बृजेन्द्र सिंह यादव, नगर पालिका अध्यक्ष अशोकनगर नीरज मनोरिया, पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा, कलेक्टर साकेत मालवीय, सांसद प्रतिनिधि संजीव जैन, चन्देरी विधायक प्रतिनिधि शिवप्रताप रघुवंशी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतर सिंह कनेश, एसडीओपी ओमप्रकाश मिश्रा, उप पुलिस अधीक्षक अजाक राजू सिंह बघेल, रक्षित निरीक्षक अविनाश उमरैया, थाना प्रभारी यातायात अजीत सिंह, थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक रवि प्रताप सिंह चैहान, थाना प्रभारी देहात निरीक्षक आकाश शर्मा, थाना प्रभारी अजाक निरीक्षक बृजमोहन रावत, थाना प्रभारी महिला थाना निरीक्षक रितु चैहान सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं पुलिस स्टाफ उपस्थित रहे।



प्रसाद वितरित किया

दशहरा पर्व पर आयोजित यह पारंपरिक पूजन कार्यक्रम शस्त्रों के प्रति सम्मान, कर्तव्यनिष्ठा एवं जनसुरक्षा के संकल्प का प्रतीक रहा। कार्यक्रम के दौरान जिले में सुख-शांति, समृद्धि एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने की कामना की गई। कार्यक्रम के अंत में उपस्थितजनों को प्रसाद वितरित किया गया। पुलिस अधीक्षक, कलेक्टर एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा जिलेवासियों को सत्य की असत्य पर विजय का प्रतीक विजयादशमी पर्व की शुभकामनाएं दीं गई।

श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ शस्त्र पूजन कार्यक्रम



हरिभूमि न्यूज ▶▶ चंदेरी

चंदेरी में समस्त हिंदू समाज के तत्वावधान में शस्त्र एवं शास्त्र पूजन कार्यक्रम श्रद्धा, उत्साह एवं सांस्कृतिक गौरव के वातावरण में भव्यता के साथ संपन्न हुआ। इस गरिमामयी कार्यक्रम में महंत सीताराम दास महाराज एवं महंत जुगलकिशोर दास महाराज का सान्निध्य श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम में हिंदू समाज के विभिन्न वर्गों से बड़ी संख्या में लोग उपस्थित हुए। श्रद्धालु एवं समाजजन शस्त्रों और शास्त्रों के साथ कार्यक्रम में सम्मिलित हुए तथा भारतीय संस्कृति, परंपरा और गौरवशाली इतिहास के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। शस्त्र एवं शास्त्र पूजन भारतीय परंपरा में शक्ति और ज्ञान के समन्वय का प्रतीक है। शास्त्र हमें विवेक, संस्कार और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं, वहीं शस्त्र अन्याय से रक्षा, साहस और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश देते हैं। कार्यक्रम के माध्यम से समाज में सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक एकता और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को सुदृढ़ करने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित समाजजनों ने भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं के संरक्षण, समाज में समरसता तथा भावी पीढ़ी में संस्कारों के प्रसार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। समस्त हिंदू समाज चंदेरी द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति श्रद्धा, सामाजिक सहभागिता और सामूहिक चेतना का प्रतीक बना।



मुंगावली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पथ संचलन निकला

मुंगावली। विजयादशमी के पावन अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा मुंगावली नगर में पथ संचलन निकाला गया। पथ संचलन में स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में अनुशासन और एकजुटता के साथ शामिल हुए। नगर के सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय से पथ संचलन का शुभारंभ हुआ। इसके बाद संचलन नगर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरा। स्वयंसेवक बस स्टैंड, इमली चैराहा, पुरानी मंडी, भुजरिया तालाब रोड और पुराना बाजार होते हुए चंदेरी रोड पहुंचे। यहां से संचलन सीधे सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय पहुंचा, जहां इसका समापन हुआ। पथ संचलन के दौरान स्वयंसेवकों में उत्साह और अनुशासन देखने को मिला। कदम से कदम मिलाकर चलते स्वयंसेवकों ने राष्ट्रभक्ति, सामाजिक समरसता, संगठन और एक जुटता का संदेश दिया। विजयादशमी के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा पथ संचलन आयोजित करने की परंपरा रही है। इस आयोजन के माध्यम से स्वयंसेवक समाज में अनुशासन, सेवा और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को प्रोत्साहित करते हैं।

जानबूझ कर विधायक का नाम शिलापट्टिका में अंकित न करने का आरोप

कांग्रेस ने डाक घर के नए भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में प्रोटोकॉल का पालन न करने का लगाया आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अशोकनगर



जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह कुशवाहा ने जिला कांग्रेस कार्यालय पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि नवनिर्मित प्रधान डाकघर अशोकनगर का लोकार्पण किया गया जिसमें शिला पट्टिका लगाई गई। परंतु शिलापट्टीका में वर्तमान विधायक इंजी. हरिबाबू राय अशोकनगर विधानसभा क्षेत्र 032 का नाम शामिल नहीं किया गया है। जबकि प्रोटोकॉल के अनुसार विधायक का नाम प्राथमिकता से दर्ज होना चाहिए, वह जनता के चुने हुए प्रतिनिधि हैं। उक्त कार्यक्रम को राजनैतिक स्वरूप दिया गया और अशोकनगर विधायक कांग्रेस दल से हैं इस कारण उनके नाम का उल्लेख शिला पट्टिका में नहीं किया गया। यह अत्यंत खेद जनक है और लोकतंत्र की हत्या है।

उन्होंने कहा यह सम्पूर्ण कृत्य जन प्रतिनिधियों के निर्धारित प्रोटोकॉल एवं मर्यादा की अवहेलना को दर्शाता है। यह अपमान विधायक का नहीं बल्कि अशोकनगर विधानसभा की 2,16,507 मतदाताओं का अपमान है क्योंकि विधायक जनता द्वारा निर्वाचित किया जाता है और जनप्रतिनिधियों के सम्मान एवं पद की गरिमा की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। वहीं शिलापट्टीका पर पूर्व विधायक का नाम लिखा गया है जिसे जनता ने नकारा है फिर भी वह अपना नाम शिलापट्टीका पर लिखवा रहे हैं यह भाजपा की ओछी मानसिकता को दर्शाता है। वहीं यदि हम नियम की बात करें तो शिला पट्टीका पर क्षेत्रीय विधायक का नाम लिखना राज्य सरकार की प्रोटोकॉल हैंडबुक और राज्य के सामान्य प्रशासन विभाग नियम के अंतर्गत शिला पट्टिका पर क्षेत्रीय विधायक का नाम लिखना अनिवार्य है ओर अब जिला कांग्रेस कमेटी संबंधित विभाग को लीगल नोटिस भेजेंगी और इसमें जो भी दोषी होंगे उन पर कार्रवाई करने का काम पार्टी द्वारा किया जाएगा। इस बीच मुख्य रूप से विधायक इंजी. हरीबाबू राय, प्रदेश महासचिव यादवेन्द्र सिंह यादव राव, नगर अध्यक्ष राहुल शर्मा पंडा मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सुबह 8 बजे मंदिर से शुरू हुआ डोला, केशोपुर रोड स्थित डेम पर किया गया जल विहार

पिपरई में दशहरा पर निकला मां बीजासन मैया का डोला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पिपरई





दशहरा पर्व के अवसर पर पिपरई कस्बे में आस्था और परंपरा का प्रतीक बीजासन मैया का ऐतिहासिक डोला निकाला गया। डोला सुबह बीजासन मैया के मंदिर से प्रारंभ हुआ। नगर के विभिन्न मार्गों से भ्रमण करने के बाद डोला केशोपुर रोड स्थित डेम पर पहुंचा, जहां मैया का जल विहार कराया गया। इसके बाद डोला वापस मंदिर में लाकर विराजमान किया गया। इस दौरान नगर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने और जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

हिंदू-मुस्लिम एकता की अनूठी मिसाल

पिपरई में बीजासन मैया का डोला धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक सद्भाव का भी प्रतीक माना जाता है। इस परंपरा में हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोग मिलकर सहयोग करते हैं। डोले के आयोजन से लेकर माता को भेंट अर्पित करने तक दोनों समुदायों की सहभागिता गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल पेश करती है। नगर में निकलने वाले डोले के साथ विभिन्न झांकियां भी आकर्षण का केंद्र रहती हैं। दोनों समुदायों के लोग आपसी भाईचारे के साथ इस धार्मिक आयोजन में शामिल होते हैं और एक-दूसरे का सहयोग करते हैं। यही परंपरा पिपरई की सांस्कृतिक पहचान को विशेष बनाती है।

आजादी से पहले से चली आ रही परंपरा

वृद्धजनों के अनुसार, बीजासन मैया का डोला देश की आजादी से पहले से निकाला जा रहा है। प्रचलित जनश्रुति के मुताबिक, खुशाल पंडा को स्वप्न में माता ने नाबनी गांव से पिपरई लाने का संदेश दिया था। इसके बाद चैधरी मुसाफ खां ने लोगों को नाबनी गांव भेजा। बताया जाता है कि उस समय गेहूं की एक पुरानी किस्म, जिसे कुरैया कहा जाता था, देकर माता को पिपरई लाया गया था। तभी से बीजासन मैया की यह परंपरा निरंतर चली आ रही है। स्थानीय मान्यता के अनुसार, अब भी मैया का डोला चैधरी की हवेली पर पहुंचा, जहां माता को प्रसादी और भेंट अर्पित की गई। इस परंपरा में मुस्लिम परिवारों की सहभागिता आज भी बनी हुई है। वह डोले में शामिल होकर माता को भेंट अर्पित करते हुए देखे गए।

थाना परिसर में भी दिखता है अनूठा दृश्य

बीजासन मैया के डोले को लेकर नगर में कई धार्मिक मान्यताएं प्रचलित हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि माता अपनी मर्जी से चलती हैं और भक्तों द्वारा अर्पित की जाने वाली भेंट स्वीकार करती हैं। इसी आस्था के चलते दूर-दराज के क्षेत्रों से भी लोग माता के दर्शन करने और प्रसादी चढ़ाने पहुंचते हैं। स्थानीय परंपरा के अनुसार, जब डोला थाना परिसर पहुंचता है, तब माता के उग्र स्वरूप से जुड़ा एक विशेष दृश्य देखने को मिलता है। इस दौरान श्रद्धालु माता के जयकारे लगाते हैं। 'बोल माई की' और 'बीजासन माता की जय' के उद्घोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो जाता है। एसडीओपी ओम प्रकाश मिश्रा मुंगावली व थाना प्रभारी नरेंद्र त्रिपाठी व समस्त स्टाफ ने माता की पूजा अर्चना की। उन्होंने बताया कभी तो डोला का बजन बहुत लगता है कभी बिल्कुल खाली महसूस होता है ऐसा प्रतीत होता है कि अब कोई दिव्य शक्ति डोले पर विराजमान हो चुकी है।

दो स्थानों पर निकलने की मान्यता

स्थानीय लोगों के अनुसार, बीजासन मैया का इस प्रकार का डोला देश में केवल दो स्थानों पर निकलने की मान्यता है। इनमें मध्यप्रदेश का पिपरई और राजस्थान का कोटा शहर शामिल हैं। यह परंपरा वर्षों से श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बनी हुई है। दशहरा पर्व पर निकलने वाला बीजासन मैया का डोला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि पिपरई की ऐतिहासिक विरासत, सांस्कृतिक परंपरा और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक भी है। पीढ़ियों से चली आ रही इस परंपरा में हिंदू-मुस्लिम समुदाय की साझा भागीदारी आपसी भाईचारे और एकता का संदेश देती है।

डीजे विवाद के बाद मां पूर्णेश्वरी समिति ने विसर्जन से किया इनकार

कुरावर में दुर्गा विसर्जन चल समारोह के दौरान हंगामा, पुलिस पर लगाया लाठीचार्ज का आरोप

एसडीएम-एसडीओपी सहित प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे मोईलीकला तालाब, समझाइश के बाद दोपहर 3 बजे हुआ प्रतिमाओं का विसर्जन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरावर

नगर में मंगलवार सुबह दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन चल समारोह के दौरान डीजे को लेकर विवाद हो गया। मुख्य मार्ग पर पुलिस और झांकी समिति के सदस्यों के बीच कहासुनी के बाद मामला बढ़ गया। खेड़ी क्षेत्र की मां पूर्णेश्वरी दुर्गा उत्सव समिति के सदस्यों ने पुलिस पर लाठीचार्ज और मारपीट करने का आरोप लगाते हुए प्रतिमा विसर्जन करने से इनकार कर दिया। समिति के सदस्यों ने संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। विवाद के चलते विसर्जन में देरी हुई। सूचना मिलने पर एसडीएम, एसडीओपी सहित प्रशासनिक अधिकारी मोईलीकला तालाब पहुंचे। अधिकारियों की समझाइश और कार्रवाई के आश्वासन के बाद दोपहर करीब 3 बजे मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विधि-विधान से विसर्जन किया गया।

रात 2 बजे से शुरू हुए विसर्जन चल समारोह

नगर में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी दुर्गा उत्सव समितियों द्वारा स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात करीब 2 बजे से चल समारोह शुरू हुए। मंगलवार सुबह करीब 6.30 बजे खेड़ी क्षेत्र में मां पूर्णेश्वरी दुर्गा उत्सव समिति का चल समारोह निकल रहा था। इसी दौरान रोशन डीजे और शिव तांडव डीजे को लेकर विवाद की स्थिति बन गई।

डिवाइडर के दोनों ओर डीजे लगाने से बढ़ा विवाद

पुलिस के अनुसार, चल समारोह के दौरान रोशन डीजे और शिव तांडव डीजे द्वारा डिवाइडर के दोनों ओर डीजे लगाए गए थे और तेज आवाज में संगीत बजाया जा रहा था। मौके पर मौजूद पुलिस बल ने डीजे संचालकों को समझाइश दी, लेकिन विवाद की स्थिति बनी रही। इसी दौरान रोशन डीजे से सामने खड़ी एक मोटरसाइकिल को टक्कर लगने की बात सामने आई। बताया गया कि इस घटना में एक बच्चे को भी चोट आई है। पुलिस के अनुसार स्थिति को देखते हुए पुलिस बल ने सख्ती बरतते हुए डीजे को आगे बढ़वाया। इसके बाद डीजे संचालकों और नवदुर्गा उत्सव समिति के सदस्यों के बीच विवाद बढ़ गया। समिति के सदस्यों ने डीजे और प्रतियोगिता आयोजित करने की मांग को लेकर सड़क पर प्रदर्शन करने की बात कही। पुलिस का कहना है कि समझाइश के बाद लोग सड़क से हट गए।



समिति का आरोप डीजे पर लाठियां बरसाई, सदस्य का हाथ फ्रैक्चर

वहीं, झांकी समिति के सदस्यों का आरोप है कि वे शांतिपूर्वक चल समारोह में शामिल थे, तभी पुलिसकर्मियों ने उनके डीजे पर लाठियां बरसाईं और उनके साथ मारपीट की। समिति के सदस्यों ने दावा किया कि घटना में एक सदस्य के हाथ में फ्रैक्चर हुआ है। घटना के बाद झांकी समिति के सदस्य और वार्ड क्रमांक 13 के पार्षद अनिल दरबार सहित अन्य सदस्यों ने मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन करने से इनकार कर दिया। समिति की मांग थी कि कथित लाठीचार्ज और मारपीट के लिए जिम्मेदार पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इसके चलते मामला तूल पकड़ गया और प्रतिमाओं के विसर्जन में देरी होने लगी।

10 से 15 किलोमीटर दूर मोईलीकला तालाब पहुंचे अधिकारी

विवाद को सुलझाने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को मौके पर पहुंचना पड़ा। नरसिंहगढ़ एसडीएम अभय प्रताप सिंह पटेल, एसडीओपी राम स्नेही यादव, नायब तहसीलदार सुनीता कुमारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी समंदर सिंह चौहान और थाना प्रभारी जितेंद्र मवई नगर से करीब 10 से 15 किलोमीटर दूर राष्ट्रीय राजमार्ग के पास स्थित मोईलीकला तालाब पहुंचे। अधिकारियों ने झांकी समिति के सदस्यों से चर्चा की और उन्हें समझाइश दी। समिति के सदस्यों ने संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग दोहराई। प्रशासन की ओर से मामले में कार्रवाई का आश्वासन मिलने के बाद समिति के सदस्य प्रतिमा विसर्जन के लिए सहमत हुए। इसके बाद दोपहर करीब 3 बजे प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विधि-विधान से विसर्जन किया गया।

जांच के आधार पर होगी कार्रवाई : एसडीएम

नरसिंहगढ़ एसडीएम अभय प्रताप सिंह पटेल ने कहा, हमने मामले की जानकारी ली है। इस मामले में जो कार्रवाई होगी वह हम करवाएंगे। वहीं, नरसिंहगढ़ एसडीओपी राम स्नेही यादव ने कहा, मामले की जांच कराई जाएगी और जांच के आधार पर पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन के आश्वासन पर किया विसर्जन : अनिल दरबार

झांकी समिति के सदस्य एवं वार्ड क्रमांक 13 के पार्षद अनिल दरबार ने कहा, हम शांतिपूर्वक चल समारोह में चल रहे थे। उसी समय पुलिसकर्मियों ने हमारे डीजे पर लाठियां बरसाईं। हमने प्रशासन के कहने पर विसर्जन किया है। हमें विश्वास है कि मामले में कार्रवाई होगी।

जांच और कार्रवाई पर टिकी नजरें

दुर्गा विसर्जन चल समारोह के दौरान हुए इस विवाद में पुलिस और समिति के सदस्यों के अलग-अलग पक्ष सामने आए हैं। पुलिस ने डीजे विवाद और मोटरसाइकिल को टक्कर लगने के बाद स्थिति नियंत्रित करने के लिए सख्ती बरतने की बात कही है, जबकि समिति के सदस्यों ने पुलिस पर लाठीचार्ज और मारपीट के आरोप लगाए हैं। प्रशासन ने मामले की जांच और कार्रवाई का आश्वासन दिया है। अब जांच के निष्कर्षों और आगे होने वाली कार्रवाई पर सभी की नजरें रहेंगी।

नरसिंहगढ़ विधायक के पास पहुंचे समिति सदस्य

घटना से नाराज समिति के सदस्य विधायक मोहन शर्मा के पास पहुंचे और उन्हें पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। इस पर विधायक शर्मा ने पुलिस की कथित कार्रवाई को अनुचित बताते हुए मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। साथ ही, उन्होंने समिति के सदस्यों को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

पुलिस अधिकारियों की रही मौजूदगी

विजयादशमी पर पुलिस थाना सारंगपुर में राज्यमंत्री गौतम टेटवाल ने किया शस्त्र पूजन



विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद कन्या पूजन और कोहले की बलि दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सारंगपुर

विजयादशमी के पावन पर्व पर मंगलवार को पुलिस थाना सारंगपुर में शस्त्र पूजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के राज्यमंत्री डॉ. गौतम टेटवाल ने थाने पहुंचकर विधि-विधान से शस्त्र पूजन और पूजा-अर्चना की। धार्मिक परंपराओं के अनुसार उन्होंने कन्या पूजन भी किया। इसके बाद कोहले की बलि दी गई। कार्यक्रम में पुलिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। विजयादशमी के अवसर पर आयोजित शस्त्र पूजन का विशेष महत्व है। हिंदू संस्कृति में यह पर्व शक्ति, साहस और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है। इस दिन शस्त्र पूजन की परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है। पुलिस विभाग में भी इस परंपरा का विशेष महत्व है, क्योंकि पुलिसकर्मी शस्त्रों के माध्यम से कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आम नागरिकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाते हैं।

थाना परिसर में राज्यमंत्री डॉ. गौतम टेटवाल ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर विजयादशमी की परंपराओं का निर्वहन किया। इस दौरान कन्या पूजन कर धार्मिक मान्यताओं के प्रति आस्था व्यक्त की गई। इसके बाद कोहले की बलि की रस्म संपन्न हुई। कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस अधिकारियों और जवानों ने भी आयोजन में सहभागिता की। इस अवसर पर न, एसडीओपी महेश सुनैया, थाना प्रभारी राहुल रघुवंशी, निरीक्षक वीरेंद्र धाकड़,एसआई आनंदीलाल भिलाला, एचसीएम इरफान खान, आरक्षक बनवारी सोनी, सत्येंद्र रघुवंशी सहित पुलिस स्टाफ मौजूद रहा। विजयादशमी पर थाना परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया गया। साथ ही पुलिस विभाग की सेवा, सुरक्षा और कर्तव्यनिष्ठा के महत्व को भी रेखांकित किया गया।

विजयादशमी पर नगर के विभिन्न पंडालों से निकली विसर्जन यात्राएं

ढोल और डीजे की धुन पर निकले जुलूस, दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन

कालीसिंध नदी किनारे विसर्जन कुंड में किया प्रतिमाओं का विसर्जन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सारंगपुर



शारदीय नवरात्रि के समापन और विजयादशमी के अवसर पर मंगलवार को सारंगपुर नगर में मां दुर्गा की प्रतिमाओं का श्रद्धा और उत्साह के साथ विसर्जन किया गया। नगर के विभिन्न दुर्गा पंडालों में विराजित मां दुर्गा की प्रतिमाओं को ढोल-डीजे की धुन पर जुलूस निकालकर विसर्जन के लिए ले जाया गया।

इस दौरान भक्तिमय माहौल के बीच श्रद्धालु माता के जयकारे लगाते हुए विसर्जन यात्रा में शामिल हुए। नगर के बस स्टैंड क्षेत्र में व्यापारी एसोसिएशन सहित विभिन्न स्थानों पर स्थापित दुर्गा प्रतिमाओं को विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद विसर्जन के लिए रवाना किया गया। ढोल-डीजे की धुन पर निकली विसर्जन यात्राओं में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। नवरात्रि के नौ दिनों तक मां दुर्गा की आराधना करने के बाद श्रद्धालुओं ने नम आंखों से माता को विदाई दी और अगले वर्ष फिर से आगमन की कामना की। विसर्जन यात्राएं नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए कालीसिंध नदी किनारे बनाए गए विसर्जन कुंड तक पहुंचीं, जहां निर्धारित स्थान पर दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। प्रतिमा विसर्जन के दौरान व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और राजस्व विभाग का अमला मौके पर मौजूद रहा। प्रशासनिक अमले की मौजूदगी में विसर्जन प्रक्रिया संपन्न कराई गई। नवरात्रि के समापन पर नगर में धार्मिक उत्साह का माहौल रहा। मां दुर्गा की विदाई के साथ ही नौ दिवसीय नवरात्रि पर्व का समापन हुआ।

विजयादशमी पर संघ का पथ संचलन, तीन बस्तियों से निकले स्वयंसेवक परशुराम चौराहे पर हुए एकत्रित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सारंगपुर

विजयादशमी पर्व के अवसर पर मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा नगर में विशाल पथ संचलन निकाला गया। नगर की विभिन्न बस्तियों से स्वयंसेवकों ने अलग-अलग स्थानों से संचलन प्रारंभ किया। अनुशासित कदमताल करते हुए स्वयंसेवक निर्धारित मार्गों से आगे बढ़े। विभिन्न बस्तियों के संचलन का परशुराम चौराहे पर एकत्रीकरण हुआ। इसके बाद सभी स्वयंसेवक अस्पताल रोड और बदलीपुरा होते हुए शास्त्री स्कूल पहुंचे, जहां मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। संत रविदास एवं विवेकानंद बस्ती का पथ संचलन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर से, सुदर्शन नगर बस्ती का संचलन माता मंदिर से तथा महाकाल एवं खेड़ापति बस्ती का संचलन शास्त्री स्मृति विद्या मंदिर से प्रारंभ हुआ। रास्ते में संत रविदास-विवेकानंद और महाकाल बस्ती के स्वयंसेवकों का संचलन जामा मस्जिद के सामने मिला। इसके बाद विभिन्न बस्तियों के स्वयंसेवक परशुराम चौराहे पर एकत्रित होकर शास्त्री स्कूल पहुंचे। शास्त्री स्कूल में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त शिक्षक शिवनारायण मालवीय ने की।



रामचरितमानस हमारे जीवन और समाज की रचना का महत्वपूर्ण आधार : उदय सिंह

मुख्य वक्ता राजगढ़ के सरसंघचालक उदय सिंह चौहान ने स्वयंसेवकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि रामचरितमानस हमारे जीवन और समाज की रचना का महत्वपूर्ण आधार है। भगवान श्रीराम का जीवन मर्यादा, सेवा, त्याग और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। रावण का अहंकार उसके विनाश का कारण बना। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में मातृशक्ति को सर्वोच्च स्थान दिया गया है और संघ की स्थापना का उद्देश्य सामाजिक कुरीतियों को दूर कर समाज को संगठित करना है। चौहान ने कहा कि शाखा के माध्यम से व्यक्ति के मन, विचार और चरित्र का निर्माण होता है। संघ समाज को संगठित कर राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने संघ के शताब्दी वर्ष को सामाजिक जागरूकता, एकता और संस्कारों के प्रसार का महत्वपूर्ण अवसर बताया। संबोधन के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ।

विदेश सेवा के अधिकारियों ने जानी विदिशा की शैक्षणिक, औद्योगिक और ऐतिहासिक विरासत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| विदिशा



भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी अभिषेक दुबे और शुचिता किशोर ने सोमवार को विदिशा जिले का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षा, कृषि आधारित उद्योग और ऐतिहासिक धरोहरों का अवलोकन किया। अधिकारियों ने जिला प्रशासन के सहयोग से संचालित सशक्त वाहिनी कोचिंग कक्षाओं में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही छात्राओं से संवाद किया। उन्होंने छात्राओं की अध्ययन रणनीति और भविष्य की योजनाओं की जानकारी लेते हुए लक्ष्य के प्रति समर्पण, आत्मविश्वास और निरंतर अध्ययन को सफलता का आधार बताया। इसके बाद अधिकारियों ने कृषि आधारित उद्योग का अवलोकन कर उत्पादन प्रक्रिया, स्थानीय कृषि उपज के उपयोग, मूल्य संवर्धन और रोजगार की संभावनाओं को समझा। उन्होंने उदयगिरि गुफाओं का भ्रमण कर प्राचीन शिल्पकला और ऐतिहासिक महत्व की जानकारी भी प्राप्त की।

मरीजों और अटेंडेंट को बेहतर सुविधाएं देने पर जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| विदिशा



विदिशा। बैठक के दौरान निर्देश देते हुए कलेक्टर।

कलेक्टर अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में सोमवार को जिला चिकित्सालय के सभागार में जिला रोगी कल्याण समिति की बैठक आयोजित की गई। इसमें अस्पताल में मरीजों और उनके परिजनों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की समीक्षा कर व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के संबंध में निर्णय लिए गए।

कलेक्टर ने कहा कि अस्पताल में उपचार के लिए आने वाले मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। मरीजों के साथ उनके परिजनों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मूलभूत सुविधाओं में सुधार किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और अस्पताल प्रबंधन को आवश्यक व्यवस्थाएं समयसीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में समिति की आय-व्यय संबंधी जानकारी प्रस्तुत की गई। साथ ही उपलब्ध संसाधनों, किए गए खर्च और आगामी आवश्यकताओं पर चर्चा हुई। पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों के क्रियान्वयन की स्थिति भी पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से बताई गई। इसमें पूरे हो चुके कार्यों और शेष कार्यों की जानकारी दी गई।

कलेक्टर ने अस्पताल में स्वच्छ, व्यवस्थित और सुविधाजनक वातावरण बनाए रखने के साथ मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन, चिकित्सक, समिति सदस्य, मुख्य नगरपालिका अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

मोडिफाइड साइलेंसर लगाने पर 3 हजार रुपए जुर्माना वसूला

विदिशा। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कोतवाली पुलिस ने विशेष चेकिंग अभियान चलाकर मोडिफाइड साइलेंसर लगी बुलेट मोटरसाइकिल पर कार्रवाई की। पुलिस ने वाहन चालक अनुज यादव (19), निवासी सुभाष नगर, थाना सिविल लाइन से 3 हजार रुपए का शमन शुल्क वसूला। पुलिस ने वाहन चालकों से निर्धारित मानकों के अनुरूप साइलेंसर और अन्य उपकरणों का उपयोग करने की अपील की। साथ ही यातायात नियमों का पालन कर स्वयं और दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की समझाइश दी। शहर में कई बुलेट में मोडिफाइड सिलेंडर लगे हुए हैं।

गांधी प्रतिमा पर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरवाई



कुरवाई। प्रदर्शन करते हुए कांग्रेसी।

ब्लॉक एवं शहर कांग्रेस कमेटी कुरवाई द्वारा मेन बाजार में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश एवं जिला कांग्रेस कमेटी विदिशा के आव्हान पर वोट बचाओ - देश बचाओ अभियान के अंतर्गत शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया गया। गांधी जी की प्रतिमा के नीचे बैठकर भारतीय संविधान के अनुच्छेद 326 का वाचन एवं राष्ट्रगान का गायन किया गया। इस दौरान वोट चोरी की नीति एवं लोकतंत्र पर हमले के खिलाफ विरोध दर्ज कराया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप स बड़ों संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता कार्यक्रम का नेतृत्व ब्लॉक एवं शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा किया गया।

बनाई रणनीति, पालक महासंघ व विद्यार्थी परिषद मिलकर चलाएंगे महा सदस्यता अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बरखेड़ा जागीर



पालक महासंघ मध्यप्रदेश और अखिल आर्यावर्त संघ अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थी परिषद की संयुक्त बैठक आयोजित की गई।

प्रदेशभर से आए प्रमुख पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में पालक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष कमल विश्वकर्मा और अखिल आर्यावर्त संघ अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थी परिषद मध्यभारत प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष राजकुमार विश्वकर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में महा सदस्यता अभियान की रूपरेखा तैयार करने और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया गया। युवाओं, विद्यार्थियों और पालकों को संगठन से जोड़ने के लिए अभियान को घर-घर और कॉलेजों तक पहुंचाने की रणनीति पर चर्चा हुई। साथ ही जिला और संभाग स्तर पर प्रभारियों की नियुक्ति तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तय की गई। बैठक में प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था, विद्यार्थियों की समस्याओं, पालकों के अधिकारों और छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास जैसे विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

पदाधिकारियों ने कहा कि युवाओं को सही दिशा देने और राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए संगठित प्रयास जरूरी हैं। बैठक के अंत में सभी पदाधिकारियों ने महा सदस्यता अभियान को सफल बनाने और अपने-अपने क्षेत्रों में निर्धारित लक्ष्य हासिल करने का संकल्प लिया।